

# मोको लाग्यो रे सतसंगी थारो भाग जाग्यो रे

मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे मौको लाग्यो रे

गली गली हरी चर्चा होवे ,  
जाणो सतगुरु आयो रे ,  
भारत भूमि अमरत बरसे ,  
बहुत ही आनन्द छाियो रे ,  
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे ,  
मौको लाग्यो रे ।

देश देश का हरी जन आया ,  
भारी मेलो लाग्यो रे ,  
मुक्ति का दरवाजा खुली गया ,  
अब तो कलयुग भाग्यो रे ,  
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जाग्यो रे ,  
मौको लाग्यो रे ।

भूल्या भटक्या जीव जो आया ,  
अब तो अवसर आयो रे ,  
तीरथ बरत तो सब ही करिया ,  
अब तो गंगा नहाओ रे ,  
मोको लाग्यो रे सतसंगी ,  
थारो भाग जागयो रे ,  
मौको लाग्यों रे ।

प्रेषक प्रमोद पटेल

यूट्यूब पर

1.निमाड़ी भजन संग्रह

2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा

9399299349

9981947823

Source:

<https://www.bharattemples.com/moko-laagyo-re-satsangi-tharo-bhag-jagaaye-re/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>